1. **अंग्रेजी भारतीय सेना में चर्बी वाले कारतूसों से चलने वाली एनफील्ड राइफल कब शामिल की गई?**

(a) नवंबर, 1856 (b) दिसंबर, 1856
(c) जनवरी, 1857 (d) फरवरी, 1857

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर—(b)

दिसंबर, 1856 में सरकार ने पुराने लोहे वाली बंदूक ब्राउन वेस (Brown Bess) के स्थान पर नवीन एनफील्ड राइफल (New Enfield Rifle) के प्रयोग का निर्णय लिया। इसका प्रशिक्षण दम-दम अम्बाला और स्यालकोट में दिया जाना था। इस नई राइफल में कारतूस के ऊपरी भाग को मुंह से काटना पड़ता था। जनवरी, 1857 में बंगाल सेना में यह अफवाह फैल गई कि चर्बी वाले कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी है। सैनिक अधिकारियों ने इस अफवाह की जांच किए बिना तुरंत इसका खंडन कर दिया। किंतु सैनिकों को विश्वास हो गया कि चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग उनके धर्म को भ्रष्ट करने का एक निश्चित प्रयत्न है। यही भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण बना।

2. **भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का मुख्य तात्कालिक कारण था—**

(a) लॉर्ड डलहौजी की हड़प नीति
(b) अंग्रेजों का धर्म में हस्तक्षेप का संदेह
(c) सैनिक असंतोष
(d) भारत का आर्थिक शोषण

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1993

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. **मंगल पांडेय की घटना हुई थी—**

(a) मेरठ में (b) बैरकपुर में
(c) अम्बाला में (d) लखनऊ में

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर—(b)

Scanned with OKEN Scanner

29 मार्च, 1857 को 'बैरकपुर' में सैनिकों ने चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग करने से इनकार कर दिया और एक सैनिक मंगल पांडेय ने अपने एजुडेंट पर हमला कर उसकी हत्या कर दी।

4. मंगल पांडेय कहां के विप्लव से जुड़े हैं?

(a) बैरकपुर (b) मेरठ
(c) दिल्ली (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. मंगल पांडेय सिपाही था-

(a) 19वीं नेटिव इंफैंट्री का
(b) 25वीं नेटिव इंफैंट्री का
(c) 49वीं नेटिव इंफैंट्री का
(d) 94वीं नेटिव इंफैंट्री का

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(*)

मंगल पांडेय 34वीं बंगाल नेटिव इंफैंट्री के 6वीं कंपनी में एक सैनिक (सिपाही) थे।

6. 1857 के विद्रोह के दौरान बहादुर शाह ने किसे 'साहब-ए-आलम बहादुर' का खिताब दिया था?

(a) अजीमुल्लाह (b) बिरजिस कादिर
(c) बख्त खान (d) हसन खान

U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

1857 के विद्रोह के दौरान बहादुर शाह ने बख्त खान को 'साहब-ए-आलम बहादुर' का खिताब दिया था। बख्त खान एक पख्तून था। ईस्ट इंडिया कंपनी में वह सूबेदार के पद पर था तथा कंपनी की ओर से उसने प्रथम अंग्रेज-अफगान युद्ध में भाग लिया था। बहादुर शाह ने अपने बड़े पुत्र मिर्जा मुगल अथवा मिर्जा जहीरुद्दीन को मुख्य सेनापति घोषित किया, किंतु विद्रोह में वास्तविक नेतृत्व बख्त खान के पास था।

7. 1857 की क्रांति का प्रमुख कारण क्या था?

(a) जन आक्रोश
(b) सैनिक असंतोष
(c) ईसाई मिशनरी का प्रबंध
(d) ब्रिटिश साम्राज्य की नीति

U.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(d)

1857 की क्रांति का प्रमुख कारण ब्रिटिश साम्राज्य की घिनौनी नीतियां थीं, जिनसे तंग आकर अंततः विद्रोह का ज्वालामुखी फूट पड़ा।

8. 1857 में लंदन से प्रकाशित होने वाले समाचार-पत्र 'टाइम्स' के संवाददाता कौन थे, जिन्होंने लिखा था 'उत्तरी भारत में गोरे आदमी की गाड़ी को कोई भी मित्रतापूर्ण दृष्टि से नहीं देखता था?'

(a) डब्ल्यू.एच. रसेल
(b) रॉबर्ट पील
(c) ग्लेडस्टन
(d) पामर्स्टन

M.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(a)

1857 में लंदन से प्रकाशित टाइम्स समाचार-पत्र में डब्ल्यू.एच. रसेल ने लिखा था कि 'उत्तर भारत में गोरे आदमी की गाड़ी को कोई भी मित्रतापूर्ण दृष्टि से नहीं देखता था।'

9. 1857 की क्रांति सर्वप्रथम कहां से प्रारंभ हुई ?

(a) लखनऊ (b) झांसी
(c) मेरठ (d) कानपुर

U.P. P.C.S. (Pre) 1990, 1994

उत्तर–(c)

1857 की क्रांति का प्रारंभ 10 मई को मेरठ से हुआ था। यहां की तीसरी कैवेलरी रेजीमेंट के सैनिकों ने चर्बीयुक्त कारतूसों को छूने से इनकार कर दिया तथा खुलेआम बगावत कर दी।

10. 1857 की क्रांति सर्वप्रथम कहां से प्रारंभ हुई?

(a) लखनऊ (b) इलाहाबाद
(c) झांसी (d) मेरठ
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) (Re-Exam) 2020

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित पहली घटना थी–

(a) कानपुर में विद्रोह और नाना साहब का नेतृत्व संभालना
(b) बेगम हजरत महल द्वारा अवध का नेतृत्व
(c) सैनिकों का दिल्ली के लाल किले पर पहुंचना
(d) झांसी की रानी का विद्रोह

U.P. P.C.S. (Mains) 2008

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

11 मई, 1857 को दिल्ली में मेरठ से आए सिपाहियों के दस्ते ने मुगल सम्राट बहादुरशाह द्वितीय से यह अपील की कि सम्राट इन सिपाहियों का नेतृत्व स्वीकार करे। इस प्रकार सैनिकों का दिल्ली के लाल किले पर पहुंचना पहली घटना थी। कानपुर में नाना साहब ने 5 जून, 1857 को विद्रोह किया। बेगम हजरत महल ने 30 मई, 1857 को प्रारंभ अवध (लखनऊ) के विद्रोह का नेतृत्व किया। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने जून, 1857 में विद्रोह किया तथा वे 17 जून, 1858 को शहीद हो गईं।

12. निम्न में से कौन-सा ईस्ट इंडिया कंपनी के सिपाहियों को विद्रोही बनाने का कारण नहीं था?

(a) ईसाई धर्म फैलाने के लिए कंपनी के अधिकारियों के प्रयास
(b) जहाज पर यात्रा करने के लिए सिपाहियों को आदेश
(c) भत्ते की रोकथाम
(d) अधिकारियों की अक्षमता
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

ईसाई धर्म फैलाने के लिए कंपनी के अधिकारियों के प्रयास, जहाज पर यात्रा करने के लिए सिपाहियों को आदेश तथा डाक आदि भत्तों की रोकथाम आदि कारक ईस्ट इंडिया कंपनी के सिपाहियों को विद्रोही बनाने के कारण बने, जिसकी परिणति 1857 की क्रांति के रूप में हुई। ध्यातव्य है कि अधिकारियों की अक्षमता इसका कारण नहीं थी, यद्यपि अधिकारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार ने अवश्य इसे भड़काया।

13. 1857 के स्वाधीनता संग्राम का प्रतीक था–

(a) कमल और रोटी (b) बाज
(c) रूमाल (d) दो तलवारें

M.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(a)

1857 के स्वाधीनता संग्राम का प्रतीक कमल और रोटी था।

14. 1857 के संग्राम के निम्नलिखित केंद्रों में से सबसे पहले अंग्रेजों ने किसे पुनः अधिकृत किया?

(a) झांसी (b) मेरठ
(c) दिल्ली (d) कानपुर

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(c)

कैप्टन निकल्सन के नेतृत्व में तीन महीने की घेराबंदी के पश्चात 20 सितंबर, 1857 को अंग्रेजों द्वारा दिल्ली की पुनर्प्राप्ति कर ली गई।

15. 1857 के स्वाधीनता संघर्ष की वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की जन्मस्थली है–

(a) आगरा (b) झांसी
(c) वाराणसी (d) वृन्दावन

U.P.P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(c)

रानी लक्ष्मीबाई (मूल नाम मणिकर्णिका) का जन्म 19 नवंबर, 1835 को गोलघर में हुआ था, जो वर्तमान में वाराणसी में है।

16. 1857 के बरेली विद्रोह का नेता कौन था?

(a) खान बहादुर (b) कुंवर सिंह
(c) मौलवी अहमदशाह (d) विरजिस कादिर

U.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(a)

बरेली में रुहेलखंड के भूतपूर्व शासक के उत्तराधिकारी खान बहादुर ने 1857 के विद्रोह की रहनुमाई की। यद्यपि ब्रिटिश पेंशन पर गुजर-बसर कर रहे खान बहादुर ने शुरू में इसमें कोई दिलचस्पी नहीं ली थी, किंतु विद्रोह की लहर फैलते ही उन्होंने खुद प्रशासन संभाल लिया और करीब 40 हजार सैनिकों को संगठित कर अपनी मजबूत सेना बनाई और अंग्रेजों का कड़ा मुकाबला किया। मुगल सम्राट बहादुर शाह द्वितीय ने उन्हें वायसराय के पद पर नियुक्त किया था। इस पद पर अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों के साथ समानता का व्यवहार किया और एक सुयोग्य राजनीतिज्ञ के गुणों का प्रदर्शन किया।

17. महारानी लक्ष्मीबाई की समाधि कहां स्थित है?

(a) मंडला (b) मांडू
(c) जबलपुर (d) ग्वालियर

M.P.P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(d)

महारानी लक्ष्मीबाई का जन्म वाराणसी में, जबकि इनकी मृत्यु ग्वालियर में हुई थी। ग्वालियर में ही महारानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थित है।

18. झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु कहां पर हुई थी?

(a) लखनऊ (b) कानपुर
(c) ग्वालियर (d) झांसी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) (Re. Exam), 2021

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. रानी लक्ष्मीबाई को अंतिम युद्ध में सामना करना पड़ा–

(a) ह्यूरोज (b) गफ

(c) नील (d) हैवलॉक

M.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(a)

रानी लक्ष्मीबाई झांसी के अंतिम मराठा राजा गंगाधर राव की विधवा थीं। जब किसी उत्तराधिकारी के अभाव में राजा गंगाधर राव की मृत्यु हो गई, तो डलहौजी ने व्यपगत सिद्धांत के अंतर्गत 1854 में झांसी का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय कर लिया। झांसी में जून, 1857 में रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में विद्रोह का श्रीगणेश हुआ। झांसी के पतन के बाद रानी ग्वालियर की ओर प्रस्थान कर गईं, जहां तात्या टोपे के साथ अंग्रेजों को कई युद्धों में पराजित करने के बाद अंततः अंग्रेज जनरल ह्यूरोज से लड़ते हुए 17 जून, 1858 को वे वीरगति को प्राप्त हुईं। रानी की मृत्यु पर ह्यूरोज ने कहा था- ''भारतीय विद्रोहियों में यहां सोयी हुई औरत अकेली मर्द है।''

20. 1857 का विद्रोह लखनऊ में किसके नेतृत्व में आगे बढ़ा?

(a) बेगम ऑफ अवध (b) तात्या टोपे

(c) रानी लक्ष्मीबाई (d) नाना साहब

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

लखनऊ (अवध) में विद्रोह का प्रारंभ 30 मई, 1857 को हुआ। विद्रोह का नेतृत्व बेगम हजरत महल (बेगम ऑफ अवध) ने किया।

21. वह महिला, जिन्होंने अवध में 1857 की क्रांति का नेतृत्व किया था–

(a) लक्ष्मीबाई (b) अहिल्याबाई

(c) अरुणा आसफ अली (d) बेगम हजरत महल

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. लखनऊ में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किसने किया था?

(a) जीनत महल (b) नाना साहेब

(c) हजरत महल (d) तात्या टोपे

U.P. P.C.S. (Pre) (Re-Exam) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. निम्न में से कौन इलाहाबाद में 1857 के संग्राम का नेता था?

(a) नाना साहेब (b) अजीमुल्ला

(c) तात्या टोपे (d) मौलवी लियाकत अली

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(d)

इलाहाबाद में 1857 के संग्राम में विद्रोहियों की कमान मौलवी लियाकत अली ने संभाली। बाद में यहां के विद्रोह को जनरल नील ने समाप्त किया।

24. 1857 के संघर्ष में भाग लेने वाले सिपाहियों की सर्वाधिक संख्या थी–

(a) बंगाल से (b) अवध से

(c) बिहार से (d) राजस्थान से

U.P. Lower Sub. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

1857 के संघर्ष में भाग लेने वाले सिपाहियों की सर्वाधिक संख्या अवध से थी। वास्तव में उस समय अवध में शायद ही कोई ऐसा परिवार रहा हो, जिसका कोई सदस्य सेना में न रहा हो। केवल अवध से ही लगभग 75 हजार सैनिक सेना में थे।

25. नाना साहब का ''कमांडर-इन-चीफ'' कौन था?

(a) अजीम-उल्लाह (b) विरजिस कादिर

(c) तात्या टोपे (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(c)

कानपुर में 5 जून, 1857 को नाना साहब को पेशवा मानकर स्वतंत्रता की घोषणा की गई। नाना साहब को सेनापति (कमांडर-इन चीफ) तात्या टोपे से बहुत सहायता मिली थी।

26. अजीमुल्ला खां सलाहकार थे–

(a) नाना साहब के (b) तात्या टोपे के

(c) रानी लक्ष्मीबाई के (d) कुंवर सिंह के

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(a)

अजीमुल्ला खां नाना साहब के सलाहकार थे।

27. वर्ष 1857 के विद्रोह के संदर्भ में निम्नलिखित में से किसे उसके मित्र ने धोखा दिया तथा जिसे अंग्रेजों द्वारा बंदी बनाकर मार दिया गया?

(a) नाना साहब (b) कुंवर सिंह

(c) खान बहादुर खान (d) तात्या टोपे

I.A.S. (Pre) 2006

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

तात्या टोपे (1814-1859 ई.) को रामचंद्र पांडुरंग के नाम से भी जाना जाता है। वे 1857 के भारतीय विद्रोह के प्रमुख नेता थे। इनका जन्म महाराष्ट्र में येओला (Yeola) गांव में हुआ था। वे अपने पिता (पांडुरंग राव टोपे) के साथ बिठूर आ गए, जहां वे पेशवा के दत्तक पुत्र नाना धोंदो पंत (इन्हें नाना साहब के नाम से भी जाना जाता है) और महाराजा माधव सिंह जी के मित्र बन गए। 1851 ई. में डलहौजी ने नाना साहब को उनके पिता के पेंशन से वंचित कर दिया, उधर तात्या टोपे पहले से ही ब्रिटिशों को अपना शत्रु मान चुके थे, दोनों ने मिलकर कानपुर में ईस्ट इंडिया कंपनी की भारतीय टुकड़ियों को जीत कर नाना साहब के आधिपत्य को स्थापित किया और तात्या स्वयं सेना के कमांडर-इन-चीफ बन गए। नाना साहब से अलग होने के बाद तात्या टोपे अपना मुख्यालय काल्पी (Kalpi) ले गए और रानी लक्ष्मीबाई से हाथ मिलाया। दोनों ने मिलकर बुंदेलखंड क्षेत्र में विद्रोह का नेतृत्व किया। जनरल ह्यूरोज ने ग्वालियर के उस ऐतिहासिक युद्ध में इन्हें हराया, जिसमें रानी लक्ष्मीबाई वीरगति को प्राप्त हुईं। ग्वालियर खो देने के पश्चात तात्या टोपे ने सागर एवं नर्मदा क्षेत्र तथा खानदेश एवं राजस्थान क्षेत्र में सफलतापूर्वक गुरिल्ला युद्ध का संचालन किया। एक वर्ष तक अंग्रेज सेनाएं उन्हें पकड़ने में नाकाम रहीं। अंततः उनके एक विश्वसनीय मित्र मानसिंह ने उन्हें धोखा देकर उस समय पकड़वा दिया, जब वे पारो के जंगलों में अपने कैम्प में शयन कर रहे थे। यहां से उन्हें पकड़कर शिवपुरी लाया गया और सैनिक अदालत में 18 अप्रैल, 1859 को फांसी दे दी गई।

28. 1857 के निम्नलिखित क्रांतिकारियों में से किसका वास्तविक नाम 'रामचंद्र पांडुरंग' था?

(a) कुंवर सिंह (b) तात्या टोपे

(c) नाना साहेब (d) मंगल पांडेय

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010

U.P.P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. कुंवर सिंह, 1857 के विद्रोह के एक प्रमुख नायक थे। वह निम्नलिखित में से किससे संबद्ध थे?

(a) बिहार (b) मध्य प्रदेश

(c) राजस्थान (d) उत्तर प्रदेश

I.A.S. (Pre) 2005

उत्तर–(a)

1857 में जगदीशपुर में विद्रोह की अगुवाई करने वाले कुंवर सिंह बिहार के तत्कालीन शाहाबाद जिले (वर्तमान भोजपुर जिला मुख्यालय आरा) के जगदीशपुर से संबंधित थे। प्रकृति ने उन्हें अदम्य शौर्य, वीरता और सेनानायक के आदर्श गुणों से मंडित किया था, इसी कारण उन्हें सही रूप में विद्रोह के दौरान **'बिहार का सिंह'** माना जाता है। उन्होंने शाहाबाद एवं आरा क्षेत्र में अंग्रेजों की सत्ता का तख्तापलट दिया और अपनी सरकार स्थापित की। वह कानपुर पर संयुक्त आक्रमण के लिए नाना साहब की मदद हेतु काल्पी की ओर आगे बढ़े। वह विद्रोह की मशाल को रोहतास, मिर्जापुर, रीवा, बांदा और लखनऊ तक ले गए, जहां उनका अत्यंत सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। अपनी अंतिम सफलता के रूप में उन्होंने अपने गृहनगर जगदीशपुर के निकट अंग्रेजों को बुरी तरह पराजित किया। इसी युद्ध के दौरान कुंवर सिंह बुरी तरह घायल हो गए और 26 अप्रैल, 1858 को उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद उनके भाई अमर सिंह ने दिसंबर, 1858 तक अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष जारी रखा।

30. ई. स. 1857 के विद्रोह के एक नेता कुंवर सिंह किस स्थान से संबंधित थे?

(a) ग्वालियर (b) जगदीशपुर

(c) झांसी (d) मेरठ

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre), 2021

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

31. कुंवर सिंह अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के विद्रोह में किस जगह शामिल हुए?

(a) आरा (b) पटना

(c) बेतिया (d) वाराणसी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. 1857 की क्रांति के दौरान बिहार में क्रांतिकारियों का नेता कौन था?

(a) नामदार खां (b) बाबू कुंवर सिंह

(c) बिरसा मुंडा (d) शंकर शाह

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.C.S. (Pre.) 2016

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?
(a) बाबू अमर सिंह (b) हरे कृष्ण सिंह
(c) कुंवर सिंह (d) राजा शहजादा सिंह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

34. कुंवर सिंह ने 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किस प्रांत से किया?
(a) पंजाब (b) बंगाल
(c) बिहार (d) महाराष्ट्र

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

35. 1857 के विद्रोह का नेतृत्व बिहार में किसने किया?
(a) खान बहादुर खान (b) कुंवर सिंह
(c) तात्या टोपे (d) रानी राम कुंआरी

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997
48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?
(a) नाना साहब (b) तांत्या टोपे
(c) कुंवर सिंह (d) मौलवी अहमदुल्लाह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C (Pre) 2020

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. जगदीशपुर के किस व्यक्ति ने 1857 ई. के विप्लव में क्रांतिकारियों का नेतृत्व किया?
(a) कुंवर सिंह (b) चंद्रशेखर
(c) तीरत सिंह (d) राम सिंह

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. जगदीशपुर के राजा थे–
(a) नाना साहब (b) तात्या टोपे
(c) लक्ष्मी बाई (d) कुंवर सिंह

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

39. पटना के 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के नेता थे–
(a) हैदर अली खान (b) राजपूत कुंवर सिंह
(c) जुझार सिंह (d) कुशल सिंह

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

पटना (बिहार) के निकट जगदीशपुर के जमींदार कुंवर सिंह ने विद्रोह का नेतृत्व किया। उनकी जमींदारी कंपनी की नीतियों के कारण छिन गई थी, फलस्वरूप उन्होंने अपने रोष की अभिव्यक्ति विद्रोह में कर दी। पटना में पीर अली के नेतृत्व में विद्रोह हुआ था, परंतु अंग्रेजों द्वारा इसके दमन के बाद विद्रोही जगदीशपुर आ गए और कुंवर सिंह ने इनका नेतृत्व किया। हैदर अली खान एवं जियोधर सिंह ने गया में विद्रोहियों को संगठित किया था।

40. निम्नलिखित में से कौन असम में 1857 की क्रांति का नेता था?
(a) दीवान मनिराम दत्त (b) कंदपेश्वर सिंह
(c) पुरंदर सिंह (d) पियाली बरुआ

U.P. P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(a)

असम में 1857 की क्रांति के समय वहां के दीवान मनिराम दत्त ने वहां के अंतिम राजा के पौत्र कंदपेश्वर सिंह को राजा घोषित करके विद्रोह की शुरुआत की, परंतु शीघ्र ही विद्रोह का दमन करके मनिराम को फांसी दे दी गई।

41. 1857 के विद्रोह का बिहार में 15 जुलाई, 1857 से 20 जनवरी, 1858 तक केंद्र था–
(a) रामपुर (b) हमीरपुर
(c) धीरपुर (d) जगदीशपुर

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

बिहार में 1857 के विद्रोह का केंद्र जगदीशपुर था, जहां जमींदार कुंवर सिंह ने नेतृत्व संभाला और शाहाबाद जिले में अंग्रेजों की सत्ता का तख्ता पलट कर अपनी सरकार स्थापित की। अप्रैल, 1858 में कुंवर सिंह की मृत्यु के बाद उनके भाई अमर सिंह ने दिसंबर, 1858 तक संघर्ष जारी रखा। अंततः बिहार के विद्रोह को पटना डिवीजन (कमिश्नरी) के कमिश्नर विलियम टेलर और बंगाल गोलंदाज फौज के मेजर विंसेट आयर (Vincent Eyre) द्वारा दबा दिया गया।

Scanned with OKEN Scanner

42. 1857 ई. की क्रांति में अंग्रेजों व जोधपुर की संयुक्त सेना को पराजित करने वाला था–

(a) तात्या टोपे (b) टोंक के नवाब वजीर खां

(c) महाराज रामसिंह (d) आउवा के ठाकुर कुशल सिंह

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1993

उत्तर–(d)

आउवा के ठाकुर कुशल सिंह ने 1857 ई. की क्रांति में अंग्रेजों और जोधपुर की संयुक्त सेना को पराजित किया था।

43. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थल राजस्थान में 1857 की क्रांति का केंद्र नहीं था?

(a) अजमेर (b) जयपुर

(c) नीमच (d) आउवा

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2012

उत्तर–(b)

प्रश्नगत विकल्पों में 1857 की क्रांति का केंद्र जयपुर नहीं था। शेष स्थल 1857 की क्रांति से संबंधित थे।

44. निम्नलिखित में से किसने 1857 में अंग्रेजों से संघर्ष किया?

(a) चंद्रशेखर आजाद (b) रामप्रसाद बिस्मिल

(c) शहादत खान (d) माखनलाल चतुर्वेदी

M.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(c)

1857 के विद्रोह में शहादत खान ने इंदौर में अंग्रेजों से संघर्ष किया था।

45. निम्नलिखित में से कौन 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों का सबसे कट्टर दुश्मन था?

(a) मौलवी अहमदुल्लाह शाह (b) मौलवी इंदादुल्लाह

(c) मौलाना फज्लेहक खैराबादी (d) नवाब लियाकत अली

45[th] B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(a)

मौलवी अहमदुल्लाह शाह ने फैजाबाद में 1857 के विद्रोह को अपना नेतृत्व प्रदान किया। ये अंग्रेजों के सबसे कट्टर दुश्मन थे। वह मूलतः तमिलनाडु में अर्काट के रहने वाले थे, पर वह फैजाबाद में आकर बस गए थे। उन्होंने भारत के विभिन्न धर्मानुयायियों का आह्वान करते हुए कहा कि ''सारे लोग काफिर अंग्रेजों के विरुद्ध खड़े हो जाओ और उन्हें भारत से बाहर खदेड़ दो।'' इनके बारे में अंग्रेजों ने कहा कि, वह ''अदम्य साहस के गुणों से परिपूर्ण और दृढ़ संकल्प वाले व्यक्ति तथा विद्रोहियों में सर्वोत्तम सैनिक है।'' इनकी गिरफ्तारी के लिए ब्रिटिश सरकार ने 50,000 रु. का इनाम रखा था।

46. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में भोपाल के किस वीर ने बहादुरीपूर्ण मुख्य संघर्ष कर बलिदान दिया?

(a) फाजिल मुहम्मद खान (b) शेख रमजान

(c) दोस्त मुहम्मद खान (d) हबीबुल्ला खान

M.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(a)

प्रश्नगत विकल्पों में से फाजिल मुहम्मद खान ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में भोपाल में विद्रोहियों का नेतृत्व किया तथा बहादुरीपूर्वक संघर्ष करते हुए प्राणोत्सर्ग किया।

47. 1857 के विद्रोह को किस उर्दू कवि ने देखा था?

(a) मीर तकी मीर (b) जौक

(c) गालिब (d) इकबाल

45[th] B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(c)

प्रश्नगत विकल्पों में दिए गए शायरों में 1857 के विद्रोह को मिर्जा गालिब ने स्वयं अपनी आंखों से देखा था।

48. सुप्रसिद्ध उर्दू शायर मिर्जा गालिब का मूल निवास था–

(a) आगरा (b) दिल्ली

(c) लाहौर (d) लखनऊ

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

उत्तर–(a)

उर्दू शायर मिर्जा गालिब का जन्म 27 दिसंबर, 1797 को आगरा में और मृत्यु 15 फरवरी, 1869 को दिल्ली में हुई थी।

49. आजादी की पहली लड़ाई 1857 में किसने भाग नहीं लिया?

(a) तात्या टोपे (b) रानी लक्ष्मीबाई

(c) बहादुरशाह जफर (d) भगत सिंह

M.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(d)

भगत सिंह ने 1857 की आजादी की पहली लड़ाई में भाग नहीं लिया, जबकि रानी लक्ष्मीबाई, बहादुरशाह जफर एवं तात्या टोपे ने 1857 की लड़ाई में भारतीय जनमानस का नेतृत्व किया था।

50. 1857 के विद्रोह से निम्नांकित में कौन संबद्ध नहीं था?

(a) बेगम हजरत महल (b) कुंवर सिंह

(c) ऊधम सिंह (d) मौलवी अहमदुल्लाह

U.P. P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

उधम सिंह 1857 के विद्रोह से संबद्ध नहीं थे। वे पंजाब के क्रांतिकारी थे। जलियांवाला बाग हत्याकांड का बदला लेने के लिए इन्होंने पंजाब के गवर्नर रहे माइकल ओ डायर की लंदन में मार्च, 1940 में हत्या कर दी थी, जिसके लिए इन्हें गिरफ्तार करके मृत्युदंड दे दिया गया। बेगम हजरत महल ने लखनऊ में, कुंवर सिंह ने बिहार में तथा मौलवी अहमदुल्लाह ने फैजाबाद में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किया था।

51. 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में किस राजवंश ने अंग्रेजों की सर्वाधिक सहायता की?

(a) ग्वालियर के सिंधिया (b) इंदौर के होल्कर

(c) नागपुर के भोसले (d) रामगढ़ के लोधी

M.P. P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

1857 के स्वतंत्रता संघर्ष में ग्वालियर के सिंधिया राजवंश ने अंग्रेजों की सर्वाधिक सहायता की। यूरोपीय इतिहासकारों ने ग्वालियर के मंत्री सर दिनकर राव और हैदराबाद के मंत्री सालारजंग की राजभक्ति की बहुत सराहना की है। संकट के समय कैनिंग ने कहा था, ''यदि सिंधिया भी विद्रोह में सम्मिलित हो जाए, तो मुझे कल ही बिस्तर गोल करना होगा।''

52. भारत में शिक्षित मध्य वर्ग ने–

(a) 1857 के विद्रोह का विरोध किया था।

(b) 1857 के विद्रोह का समर्थन किया था।

(c) 1857 के विद्रोह से तटस्थता बनाए रखी थी।

(d) देशी शासकों के विरुद्ध युद्ध किया था।

U.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(c)

1857 के विद्रोह में शिक्षित वर्ग ने कोई रुचि नहीं ली, जो इस महासमर की असफलता के प्रमुख कारणों में से एक है। विद्रोही जिस प्रकार अंधविश्वासों का उपयोग करते या प्रगतिशील सामाजिक उपायों का विरोध करते थे, उससे शिक्षित भारतीय उनसे बिदक कर दूर हो गए। शिक्षित भारतीय देश का पिछड़ापन दूर करना चाहते थे। उनके मन में यह गलत विश्वास भरा था कि अंग्रेज आधुनिकीकरण का यह काम पूरा करने में उनकी सहायता करेंगे, जबकि जमींदारों, पुराने शासकों और सरदारों तथा दूसरे सामंती तत्वों के नेतृत्व में लड़ने वाले विद्रोही देश को पीछे ले जाएंगे। कुछ समय बाद ही शिक्षित भारतीयों ने अपने अनुभवों से जाना कि विदेशी शासन देश का आधुनिकीकरण करने में न सिर्फ असमर्थ साबित हुआ, बल्कि उसने उसे गरीब और पिछड़ा बनाए रखा। इस मामले में 1857 के क्रांतिकारी अधिक दूरदर्शी सिद्ध हुए।

53. निम्नलिखित वर्गों में किसने 1857 के विद्रोह में भाग नहीं लिया?

(i) खेतिहर मजदूर (ii) साहूकार

(iii) कृषक (iv) जमींदार

निम्नलिखित कूटों से अपना उत्तर चुनें–

(a) केवल (i) (b) (i) एवं (ii)

(c) केवल (ii) (d) (ii) एवं (iv)

40th B.P.S.C. (Pre) 1995

उत्तर–(d)

1857 का विद्रोह बहुत बड़े क्षेत्र में फैला हुआ था और इसे जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त था। फिर भी पूरे देश को या भारतीय समाज के सभी अंगों तथा वर्गों को यह अपनी लपेट में नहीं ले सका। यह दक्षिणी भारत तथा पूर्वी और पश्चिमी भारत के अधिकांश भागों में नहीं फैल सका। भारतीय रजवाड़ों के अधिकांश शासक तथा बड़े जमींदार पक्के स्वार्थी तथा अंग्रेजों की शक्ति से भयभीत थे और वे विद्रोह में शामिल नहीं हुए। ग्वालियर के सिंधिया, इंदौर के होल्कर, हैदराबाद के निजाम, जोधपुर के राजा, भोपाल के नवाब, पटियाला, नाभा और जींद के सिख शासक एवं पंजाब के दूसरे सिख सरदार, कश्मीर के महाराजा तथा दूसरे अनेक सरदारों और बड़े जमींदारों ने विद्रोह को कुचलने में अंग्रेजों की सक्रिय सहायता की। गवर्नर जनरल कैनिंग ने बाद में टिप्पणी की कि इन शासकों तथा सरदारों ने ''तूफान के आगे बांध (तरंगरोधक) की तरह काम किया, वर्ना यह तूफान एक ही लहर में हमें बहा ले जाता।''

उच्च तथा मध्य वर्गों के अधिकांश लोग विद्रोहियों के आलोचक थे। विद्रोह में शामिल अवध के बहुत से तालुकदारों (बड़े जमींदारों) ने, अंग्रेजों से यह आश्वासन पाकर कि उनकी जागीरें वापस दे दी जाएंगी, विद्रोह से किनारा कर लिया।

ग्रामीण जनता के हमलों का निशाना सूदखोर और साहूकार थे, इसलिए वे स्वाभाविक तौर पर विद्रोह के शत्रु हो गए थे। आधुनिक शिक्षा प्राप्त भारतीयों ने भी विद्रोह का साथ नहीं दिया। शिक्षित भारतीय, देश का पिछड़ापन समाप्त करना चाहते थे। उनके मन में यह गलत विश्वास भरा था कि अंग्रेज आधुनिकीकरण के ये काम पूरा करने में उनकी सहायता करेंगे।

54. इनमें से किसने अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी के कंट्रोल के खिलाफ बगावत नहीं की?

(a) विजयनगरम का राजा

(b) हैदराबाद का निजाम

(c) तमिलनाडु के पोलिगार

(d) त्रावणकोर के दीवान वेलू थम्पी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त विकल्पों में से हैदराबाद के निज़ाम ने कभी अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह नहीं किया। विजयनगरम के राजा ने अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में कंपनी शासन के विरुद्ध विद्रोह किया। तमिलनाडु के पोलिगारों द्वारा कई बार विद्रोह किया गया तथा त्रावणकोर के दीवान वेलु थम्पी द्वारा 1809 ई. में अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया गया।

55. निम्न में से कौन-सा एक क्षेत्र 1857 के विद्रोह से प्रभावित नहीं था?

(a) झांसी (b) चित्तौड़

(c) जगदीशपुर (d) लखनऊ

I.A.S. (Pre) 2005

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(b)

1857 के विद्रोह से चित्तौड़ प्रभावित नहीं था, जबकि झांसी, जगदीशपुर और लखनऊ इस विद्रोह के केंद्र थे। इन केंद्रों की अगुवाई क्रमशः रानी लक्ष्मीबाई, कुंवर सिंह एवं बेगम हजरत महल ने की थी।

56. 1857 के विद्रोह से बिहार का कौन-सा भाग अप्रभावित रहा?

(i) दानापुर (ii) पटना

(iii) आरा (iv) मुजफ्फरपुर

(v) मुंगेर

निम्नलिखित कूटों से अपना उत्तर चुनें–

(a) (iv) एवं (v) (b) केवल (v)

(c) केवल (iv) (d) (iii), (iv) एवं (v)

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(b)

1857 के विद्रोह के दौरान बिहार में आरा, दानापुर, गया, पटना, मुजफ्फरपुर तथा शाहाबाद विद्रोह के प्रमुख केंद्र थे, जबकि मुंगेर का क्षेत्र इस विद्रोह से अप्रभावित रहा था।

57. सूची-1 (1857 के विप्लव के नायक) को सूची-2 (उनके कार्यक्षेत्र) से सुमेलित कीजिए–

सूची-1	सूची-2
(A) बख्त खां	i. अवध
(B) मौलवी अहमदुल्लाह	ii. कानपुर
(C) कुंवर सिंह	iii. आरा
(D) नाना साहब	iv. दिल्ली

कूट :

	A	B	C	D
(a)	iii	i	ii	iv
(b)	iii	ii	iv	i
(c)	iv	i	iii	ii
(d)	iv	iii	i	ii
(e)	ii	iv	i	iii

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(c)

सूची-1 (1857 के विप्लव के नायक) और सूची-2 (उनके कार्यक्षेत्र) का सही सुमेलन इस प्रकार है–

सूची-1	सूची-2
बख्त खां	दिल्ली
मौलवी अहमदुल्लाह	अवध
कुंवर सिंह	आरा
नाना साहब	कानपुर

58. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
A. झांसी	1. मौलवी अहमद शाह
B. लखनऊ	2. अज़ीमुल्लाह खां
C. कानपुर	3. बेगम हजरत महल
D. फैजाबाद	4. रानी लक्ष्मीबाई

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	4	2	3	1
(c)	3	4	2	1
(d)	1	2	3	4

U.P. P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

1857 के विद्रोह में झांसी में रानी लक्ष्मीबाई, लखनऊ में बेगम हजरत महल, कानपुर एवं फतेहपुर में अज़ीमुल्लाह खां तथा फैजाबाद में मौलवी अहमद शाह (मौलवी अहमदुल्लाह शाह) ने नेतृत्व किया था।

59. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है?

स्थान	नेतृत्व
(a) संभलपुर	सुरेंदर साही
(b) गंजाम	राधाकृष्ण दंडसेना
(c) कश्मीर	गुलाब सिंह
(d) लखनऊ	लियाकत अली

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

मौलवी लियाकत अली का जन्म 1817 ई. में तत्कालीन इलाहाबाद के चायल में हुआ था। इन्होंने 1857 ई. के विद्रोह में तत्कालीन इलाहाबाद में विद्रोहियों का नेतृत्व किया था। अत: इनका संबंध लखनऊ से नहीं था।

60. इनमें से किसने 1857 के विद्रोह में सक्रिय भाग लिया था?

(a) नाना साहब (कानपुर)

(b) बेगम हजरत महल (लखनऊ)

(c) मौलवी अहमदुल्लाह (फैजाबाद)

(d) बेगम जीनत महल (दिल्ली)

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C (Pre) 2020

उत्तर–(e)

ईस्ट इंडिया कंपनी के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा धार्मिक कारणों के फलस्वरूप 1857 का विद्रोह प्रारंभ हुआ। लखनऊ में इस विद्रोह का प्रारंभ 30 मई, 1857 में हुआ। यहां पर इस विद्रोह का नेतृत्व बेगम हजरत महल ने किया था। कानपुर में इस विद्रोह का नेतृत्व नाना साहब के द्वारा तथा फैजाबाद में इस विद्रोह को नेतृत्व मौलवी अहमदुल्लाह ने किया था। जबकि बहादुरशाह जफर (अंतिम मुगल बादशाह) की पत्नी बेगम जीनत महल ने अप्रत्यक्ष रूप से इस विद्रोह में भाग लिया था। इस प्रकार दिए गए प्रश्न के सभी विकल्पों में से सबसे उचित उत्तर विकल्प (e) होगा।

61. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के अंत में दिए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची-I (क्रांतिकारियों के नाम)	सूची-II (स्थान)
A. नाना साहब	1. दिल्ली
B. नवाब हामिद अली खान	2. कानपुर
C. मौलवी अहमूद उल्लाह	3. लखनऊ
D. मनि राम दीवान	4. असम

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	3
(b)	1	2	3	4
(c)	2	1	4	3
(d)	2	1	3	4

U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर–(d)

(क्रांतिकारी)		(स्थान)
नाना साहब	-	कानपुर
नवाब हामिद अली खान	-	दिल्ली
मौलवी अहमूद उल्लाह (मौलवी अहमदुल्लाह शाह)	-	लखनऊ
मनीराम दीवान	-	असम

नोट–लखनऊ में मौलवी अहमदुल्लाह शाह ने बेगम हजरत महल को सहयोग प्रदान किया था।

62. 1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल कौन था?

(a) लॉर्ड डलहौजी (b) लॉर्ड मिंटो

(c) लॉर्ड कैनिंग (d) लॉर्ड बेंटिक

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2005

U.P. P.C.S. (Pre) 1990, 2012

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर–(c)

1857 के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग (1856-62 ई.) था। लॉर्ड कैनिंग भारत में कंपनी द्वारा नियुक्त अंतिम गवर्नर जनरल तथा ब्रिटिश सम्राट के अधीन नियुक्त भारत का पहला वायसराय था।

63. 1857 ई. के विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल कौन था?

(a) लॉर्ड हेस्टिंग्ज (b) लॉर्ड कैनिंग

(c) लॉर्ड एमहर्स्ट (d) लॉर्ड ऑकलैंड

Uttarakhand P.C.S. (Pre.) 2016

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

64. 1857 में भारत का गवर्नर जनरल कौन था?

(a) वेलेस्ली (b) डलहौजी

(c) कैनिंग (d) मिंटो

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

65. सिपाही विद्रोह के समय भारत का गवर्नर जनरल कौन था?

(a) लॉर्ड कैनिंग (b) लॉर्ड डलहौजी

(c) लॉर्ड हार्डिंग (d) लॉर्ड लिटन

I.A.S. (Pre) 2006

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

66. **1857 विद्रोह के समय बैरकपुर में कौन ब्रिटिश कमांडिंग ऑफिसर था?**

(a) हेनरी लॉरेन्स (b) कर्नल फिनिस

(c) हैरसे (d) सर ह्यू व्हीलर

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(c)

मार्च, 1857 में 34वीं बंगाल नेटिव इंफैंट्री के सिपाही मंगल पांडेय के विद्रोह के समय बैरकपुर में लेफ्टिनेंट जनरल सर जॉन बेनेट हैरसे (John Bennet Hearsey) कमांडिंग ऑफिसर थे।

67. **1857 में किसने इलाहाबाद को आपातकालीन मुख्यालय बनाया था?**

(a) लॉर्ड कैनिंग (b) लॉर्ड कार्नवालिस

(c) लॉर्ड वेलेजली (d) लॉर्ड विलियम बेंटिक

U.P. P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर–(a)

1857 के विद्रोह के समय तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग ने इलाहाबाद को आपातकालीन मुख्यालय बनाया था।

68. **1857 के विद्रोह के समय ब्रिटिश प्रधानमंत्री कौन था?**

(a) चर्चिल (b) पामर्स्टन

(c) एटली (d) ग्लेडस्टोन

U.P. P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(b)

जिस समय भारत में 1857 की क्रांति हुई, ब्रिटेन में विस्कॉन्ट पामर्स्टन (हेनरी जॉन टेंपल, तृतीय विस्कॉन्ट पामर्स्टन) ब्रिटेन का प्रधानमंत्री था। उसका कार्यकाल 1855-1858 ई. तथा 1859-1865 ई. तक था।

69. **निम्नलिखित में से किसका नाम 1857 के विद्रोह से नहीं जुड़ा है?**

(a) कर्नल सेंट लेगर (b) लेफ्टिनेंट कर्नल गिब्स

(c) कर्नल वैलेस (d) उपर्युक्त सभी

U.P. P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(d)

प्रश्न में दिए गए विकल्पों में कोई भी 1857 के विद्रोह से नहीं जुड़ा था।

70. **1857 का विद्रोह मुख्यतः किस कारण से असफल रहा?**

(a) हिंदू-मुस्लिम एकता की कमी

(b) किसी सामान्य योजना और केंद्रीय संगठन की कमी

(c) इसके प्रभाव का सीमित क्षेत्र

(d) जमींदारों की सहभागिता

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(b)

1857 के विद्रोह की असफलता का मुख्य कारण किसी सामान्य योजना एवं केंद्रीय संगठन की कमी थी। विद्रोहियों के नेताओं में कोई संगठन की भावना देखने में नहीं आई। 82 वर्षीय मुगल सम्राट बहादुर शाह कमजोर था, उसके द्वारा विभिन्न सरदारों का आह्वान करना काफी नहीं था। साथ ही विद्रोहियों ने वीरता तो दिखाई और सरकार का विनाश करने पर वे तुले हुए भी प्रतीत होते थे, किंतु ऐसा करने के लिए उनके पास किसी सुनियोजित कार्यक्रम का पूर्ण अभाव था। उनमें अनुशासन की कमी भी थी। कभी-कभी तो वे अनुशासित सेना के बजाए दंगाई भीड़ की तरह व्यवहार करते थे। विदेशी शासन के प्रति एक साझी घृणा को छोड़कर और कोई संबंध सूत्र नेताओं के बीच नहीं था। किसी क्षेत्र विशेष से ब्रिटिश सत्ता को उखाड़ फेंकने के बाद उन्हें पता भी नहीं होता था कि उसकी जगह किस प्रकार की राजनीतिक सत्ता या संस्थाएं स्थापित की जाएं। उनके पास एक भविष्योन्मुख कार्यक्रम, सुसंगत विचारधारा, राजनीतिक परिप्रेक्ष्य या भावी समाज और अर्थव्यवस्था के प्रति एक स्पष्ट दृष्टिकोण का अभाव था।

71. **1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम असफल हुआ, क्योंकि–**

(a) भारतीय सिपाहियों में उद्देश्य की एकता की कमी थी।

(b) प्रायः भारतीय राजाओं ने ब्रिटिश सरकार का साथ दिया।

(c) ब्रिटिश सिपाही कहीं अच्छे सज्जित तथा संगठित थे।

(d) उपर्युक्त सभी

U.P. Lower Sub. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

विद्रोह के समय भारतीयों में एकता के अभाव के चाहे जो भी कारण रहे हों, किंतु विद्रोह के लिए यह घातक सिद्ध हुआ। विद्रोहियों के लक्ष्य को धक्का पहुंचाने के लिए यह अकेली कमजोरी नहीं थी। भारतीय सिपाही बहादुर तथा स्वार्थरहित तो थे, मगर उनमें अनुशासन और एकता का अभाव था। बंबई और मद्रास की सेनाएं राजभक्त रहीं। अवध और रुहेलखंड के तथा अन्य उत्तरी भारत के सामंतवादी तत्वों ने विद्रोह का नेतृत्व किया किंतु दूसरी ओर अन्य सामंतवादी तत्वों ने, जैसे–पटियाला, जींद, ग्वालियर और हैदराबाद के राजाओं ने इस विद्रोह के दमन में सहायता की। यूरोपीय इतिहासकारों ने ग्वालियर के मंत्री सर दिनकर राव और हैदराबाद के मंत्री सालारजंग की राजभक्ति की बहुत सराहना की है।

रणनीति और रणकौशल की दृष्टि से भी अंग्रेजी सेनाएं भारतीय विद्रोहियों से बहुत आगे थीं। वे भारतीय सिपाहियों की तुलना में अधिक सुसज्जित थीं। अतः 1857 के विद्रोह की असफलता के उपर्युक्त सभी कारण जिम्मेदार थे।

72. **अंग्रेज राजपूत राज्यों में 1857 के विद्रोह को दबाने में सफल रहे, क्योंकि–**

(a) स्थानीय शासकों ने क्रांतिकारियों का साथ नहीं दिया

(b) शिक्षित मध्य वर्ग अंग्रेजों का समर्थन कर रहा था

Scanned with OKEN Scanner

(c) छावनियों के सैनिक राजपूताना से बाहर के क्रांतिकारियों का नेतृत्व स्वीकारने को तैयार नहीं थे

(d) समाचार-पत्र क्रांतिकारियों के सही उद्देश्यों को नहीं दर्शा पाए

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. निम्नलिखित में से किन ब्रिटिश अधिकारियों ने लखनऊ में अपना जीवन खोया था?

1. जनरल जॉन निकल्सन 2. जनरल नील

3. मेजर जनरल हैवलॉक 4. सर हेनरी लॉरेंस

निम्नलिखित कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 3 और 4

(c) 2, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

U.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

14 सितंबर, 1857 को अंग्रेजों द्वारा दिल्ली पर अधिकार करने के क्रम में जनरल जॉन निकल्सन घायल हुए थे और 23 सितंबर, 1857 को उसकी मृत्यु हुई थी। लखनऊ में 1857 के विद्रोह के दौरान अंग्रेज रेजीडेंसी की रक्षा करते हुए सर हेनरी लॉरेंस, मेजर जनरल हैवलॉक तथा जनरल नील की मृत्यु हुई।

74. विचार कीजिए–

कथन (क) : 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता प्राप्त करने में असफल रहा।

कारण (का) : बहादुरशाह जफर के नेतृत्व को जनसहयोग नहीं मिला था और अधिकांश महत्वपूर्ण रियासतों के शासक उनका साथ देने में कतरा गए।

नीचे दिए गए कोड में सही उत्तर चुनिए–

(a) (क) और (का) दोनों सत्य हैं और (का), (क) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) (क) और (का) दोनों सत्य हैं, परंतु (का), (क) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (क) सत्य है और (का) असत्य है।

(d) (क) असत्य है, परंतु (का) सत्य है।

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

प्रश्नगत कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है। यद्यपि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के असफल होने के कई कारण थे, परंतु इनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारण अधिकांश प्रमुख रियासतों के शासकों द्वारा अंग्रेजों का समर्थन करना रहा।

75. निम्नलिखित में किसने 1857 के विद्रोह को एक 'षड्यंत्र' की संज्ञा दी?

(a) सर जेम्स आउट्रम एवं डब्ल्यू. टेलर

(b) वी.ए. स्मिथ

(c) सर जॉन लॉरेंस

(d) टी.आर. होल्म्स

40th B.P.S.C. (Pre) 1995

उत्तर–(a)

सर जेम्स आउट्रम एवं डब्ल्यू. टेलर ने 1857 के विद्रोह को हिंदू-मुस्लिम षड्यंत्र का परिणाम बताया है। आउट्रम का विचार था कि "यह मुस्लिम षड्यंत्र था, जिसमें हिंदू शिकायतों का लाभ उठाया गया।" जॉन लॉरेंस और सीले के अनुसार, यह केवल 'सैनिक विद्रोह' था। जॉन सीले के अनुसार, 1857 का विद्रोह "एक पूर्णतया देशभक्ति रहित और स्वार्थी सैनिक विद्रोह था, जिसमें न कोई स्थानीय नेतृत्व ही था और न ही इसे सर्वसाधारण का समर्थन प्राप्त था।" उसके अनुसार, "यह एक संस्थापित सरकार के विरुद्ध भारतीय सेना का विद्रोह था।" टी.आर. होल्म्स के अनुसार, यह बर्बरता और सभ्यता के बीच युद्ध था।

76. आधुनिक इतिहासकार जिसने 1857 के विद्रोह को स्वतंत्रता की पहली लड़ाई कहा, था–

(a) डॉ. आर. सी. मजूमदार (b) डॉ. एस. एन. सेन

(c) वी. डी. सावरकर (d) अशोक मेहता

M.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

वी. डी. सावरकर ने अपनी पुस्तक "The Indian war of Independence 1857" में 1857 के विद्रोह को सुनियोजित स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी। उन्होंने इसे स्वतंत्रता की पहली लड़ाई कहा था।

77. 1857 के संग्राम को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का नाम किसने दिया?

(a) वी.ए.स्मिथ (b) पी.ई. रॉबर्ट्स

(c) वी.डी. सावरकर (d) उपर्युक्त सभी

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

78. 1857 के विद्रोह को किसके द्वारा 'प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' के रूप में वर्णित किया गया था?

(a) वी.डी. सावरकर (b) बाल गंगाधर तिलक

(c) आर.सी. मजूमदार (d) दादाभाई नौरोजी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre), 2021

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

79. भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का सरकारी इतिहासकार था—
(a) आर.सी. मजूमदार
(b) ताराचंद
(c) वी.डी. सावरकर
(d) एस.एन. सेन

U.P. P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(d)

1857 के भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के सरकारी इतिहासकार सुरेंद्र नाथ सेन (एस.एन. सेन) थे, जिनकी पुस्तक 'एट्टीन फिफ्टी सेवन' 1957 में प्रकाशित हुई थी।

80. भारतीय भाषा में 1857 के विप्लव के कारणों पर लिखने वाला प्रथम भारतीय था—
(a) सैयद अहमद खां
(b) वी.डी. सावरकर
(c) बंकिमचंद्र चटर्जी
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. Lower Sub. (Pre) 2009

उत्तर—(a)

सर सैयद अहमद खां द्वारा लिखित पुस्तक 'असबाब-ए-बगावत-ए-हिंद' वर्ष 1859 में प्रकाशित हुई थी, जिसमें 1857 के विद्रोह के कारणों की चर्चा की गई थी।

81. "तथाकथित प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम न प्रथम, न राष्ट्रीय और न ही स्वतंत्रता संग्राम था।" यह कथन संबद्ध है—
(a) आर.सी. मजूमदार से
(b) एस.एन. सेन से
(c) ताराचंद से
(d) वी.डी. सावरकर से

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर—(a)

आर.सी. मजूमदार ने अपनी पुस्तक "The Sepoy Mutiny and the Revolt of 1857" को स्वतंत्र रूप से वर्ष 1957 में प्रकाशित किया। मजूमदार ने ही 1857 के विद्रोह को "तथाकथित प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम न प्रथम, न राष्ट्रीय और न ही स्वतंत्रता संग्राम था" कहा था।

82. किसने लिखा था, "इस निर्णय से इनकार करना कठिन है कि तथाकथित 1857 का प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम न तो प्रथम था, न राष्ट्रीय था और न ही स्वतंत्रता संग्राम था?"
(a) आर.सी. मजूमदार
(b) सैयद अहमद
(c) रॉबर्ट्स
(d) कूपलैंड

U.P. P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. किस भारतीय प्रख्यात इतिहासकार ने 1857 ई. की क्रांति को क्रांति नहीं माना है?
(a) ताराचंद
(b) डॉ. एस.एन. सेन
(c) सावरकर
(d) डॉ. आर.सी. मजूमदार
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisagarh P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(d)

उपर्युक्त विकल्पों में से डॉ. आर.सी. मजूमदार ने 1857 ई. की क्रांति को क्रांति नहीं माना है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'द सेपॉय म्यूटिनी एंड द रिवोल्ट ऑफ 1857' में कहा है कि "तथाकथित राष्ट्रीय संग्राम न तो पहला, न ही राष्ट्रीय तथा न ही स्वतंत्रता संग्राम था।"

84. '19वीं शताब्दी के मध्य में भारतीय राष्ट्रवाद भ्रूणावस्था में थी।' इस तथ्य को मानने वाले इतिहासकार—
(a) डॉ. आर.सी. मजूमदार और डॉ. एस.एन. सेन
(b) सर जेम्स आउट्रम और डब्ल्यू. टेलर
(c) टी.आर. होल्म्स और एल.ई. आर. रीज
(d) सर जॉन लारेंस और सीले

M.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर—(a)

डॉ. आर.सी. मजूमदार और डॉ. एस.एन. सेन जैसे इतिहासकार 19वीं शताब्दी के मध्य में भारतीय राष्ट्रवाद को भ्रूणावस्था में मानते थे।

85. 1857 की क्रांति के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सी एक अवधारणा सही है?
(a) भारतीय इतिहासकारों ने इसे भारतीय विद्रोह के रूप में वर्णित किया है।
(b) ब्रिटिश इतिहासकारों ने इसे स्वाधीनता का संग्राम कहा है।
(c) इसने भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी की शासन प्रणाली को मृतप्राय बना दिया।
(d) यह क्रांति भारत में प्रशासनिक तंत्र को सुधारने हेतु की गई।

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर—(c)

1857 की क्रांति के परिणामस्वरूप भारतीय शासन की बागडोर कंपनी के हाथों से निकलकर ब्रिटिश क्राउन के हाथों में चली गई तथा इसकी शासन प्रणाली में भी आमूल-चूल परिवर्तन किया गया। अतः 1857 की क्रांति के संदर्भ में प्रश्नगत विकल्प (c) की अवधारणा ही सही है, जबकि अन्य कथन सही नहीं हैं।

Scanned with OKEN Scanner

86. महारानी विक्टोरिया ने भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश ताज के नियंत्रण में लेने की घोषणा कब की थी?

(a) 1 नवंबर, 1858 (b) 31 दिसंबर, 1857
(c) 6 जनवरी, 1958 (d) 17 नवंबर, 1859

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

1857 की क्रांति के दमन के पश्चात 1 नवंबर, 1858 को महारानी विक्टोरिया ने भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश ताज के नियंत्रण में लेने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद भारत में कंपनी के शासन को समाप्त कर भारत को सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन कर दिया गया। एक भारत मंत्री या सचिव तथा 15 सदस्यों वाली इंडियन काउंसिल की स्थापना की गई। तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग को ही भारत का प्रथम वायसराय बनाया गया।

87. साम्राज्ञी विक्टोरिया ने 1858 की घोषणा में भारतीयों को बहुत सी चीजें दिए जाने का आश्वासन दिया था। निम्न आश्वासनों में से कौन-सा ब्रिटिश शासन ने पूरा किया था?

(a) रियासतों को हड़पने की नीति समाप्त कर दी जाएगी
(b) देशी रजवाड़ों की यथास्थिति बनाए रखी जाएगी
(c) भारतीय एवं यूरोपियन सभी प्रजा को समान व्यवहार मिलेगा
(d) भारतीयों के सामाजिक एवं धार्मिक विश्वासों में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा

U.P. P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

1857 के विद्रोह का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा थी। यह उद्घोषणा 1 नवंबर, 1858 को इलाहाबाद में हुए दरबार में लॉर्ड कैनिंग द्वारा उद्घोषित की गई। इसमें भारत में कंपनी के शासन को समाप्त कर भारत का शासन सीधे क्राउन के अधीन कर दिया गया। इस उद्घोषणा में भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार पर रोक, लोगों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, एकसमान कानूनी सुरक्षा सबको उपलब्ध कराना शामिल थे। भारतीय रजवाड़ों के प्रति विजय और विलय की नीति का परित्याग कर दिया गया और सरकार ने राजाओं को गोद लेने की अनुमति प्रदान की तथापि अन्य आश्वासन ब्रिटिश शासन द्वारा पूरे नहीं किए जा सके।

88. महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858) का उद्देश्य क्या था?

1. भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के किसी भी विचार का परित्याग करना
2. भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश क्राउन के अंतर्गत रखना
3. भारत के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार का नियमन करना

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2014

उत्तर–(a)

ब्रिटिश सरकार ने 1858 ई. में एक अधिनियम लागू किया, जिसे 'भारतीय प्रशासन सुधार संबंधी अधिनियम' कहते हैं। इस अधिनियम के द्वारा भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत कर दिया गया और ब्रिटिश सरकार ने भारतीय प्रदेशों का प्रबंध सीधा अपने हाथों में ले लिया। इस अधिनियम के तहत 1858 ई. में महारानी विक्टोरिया ने एक घोषणा की, जिसमें यह उद्घोषित किया गया कि अब से भारत का शासन ब्रिटिश शासक के द्वारा व उनके लिए सेक्रेटरी ऑफ स्टेट द्वारा चलाया जाएगा। गवर्नर जनरल को वायसराय की पदवी दी गई, जिसका अर्थ था कि वह राजा का प्रतिनिधि था। संक्षेप में भारत पर ब्रिटिश सर्वोच्चता सुदृढ़ रूप से स्थापित कर दी गई। साथ ही, रानी विक्टोरिया द्वारा की गई घोषणा द्वारा देशी राज्यों को यह आश्वासन दिया गया कि उनका अस्तित्व बना रहेगा। स्पष्ट है कि भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के किसी भी विचार का परित्याग करने की घोषणा की गई थी। Britannica द्वारा प्रकाशित **'The History of India'** नामक पुस्तक के पृष्ठ 261 पर उल्लिखित है–"The announcement reversed Lord Dalhousie's prewar policy of political unification through princely state annexation."

89. निम्नलिखित में कौन-सा आयोग 1857 के विद्रोह के दमन के बाद भारतीय फौज के नव संगठन से संबंधित है?

(a) पब्लिक सर्विस आयोग (b) पील आयोग
(c) हंटर आयोग (d) साइमन कमीशन

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(b)

1857 के विद्रोह के दमन के बाद ब्रिटिश सरकार ने भारतीय फौज के 'नव संगठन' के लिए जुलाई, 1858 में मेजर जनरल जोनाथन पील की अध्यक्षता में एक रॉयल कमीशन (पील आयोग) का गठन किया, जिसके द्वारा सेना के रेजीमेंटों को जाति, समुदाय और धर्म के आधार पर विभाजित किया गया। यूरोपीय सैनिकों की संख्या जो 1857 से पूर्व 45,000 थी, अब 65,000 कर दी गई तथा भारतीय सैनिकों की संख्या 2,38,000 से घटाकर 1,40,000 कर दी गई। बंगाल में यूरोपीय सैनिकों का भारतीय सैनिकों से 1:2 का अनुपात रखा गया, जबकि मद्रास तथा बंबई में यह अनुपात 1:3 का रखा गया।

90. 1857 के विद्रोह के बाद ब्रिटिश सरकार ने सिपाहियों का इन प्रांतों से चयन किया–

(a) उत्तर प्रदेश एवं बिहार के ब्राह्मण
(b) पूर्व में बंगाली एवं उड़िया
(c) गोरखा, सिख एवं पंजाबी उत्तर प्रांत से
(d) मद्रास प्रेसीडेंसी एवं मराठा

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner